



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 जनवरी, 2022

क़्षुद्रग्रह 1994 PC1

हाल ही में क़्षुद्रग्रह 1994 PC1 पृथ्वी के पास से 12 लाख मील की दूरी से गुज़रा। यह चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का पाँच गुना है, इसलिये इस क़्षुद्रग्रह से पृथ्वी को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। इसे "7482" के नाम से भी जाना जाता है। इसकी लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। इस क़्षुद्रग्रह की गति 45,000 मील प्रतिघंटा है। यह एक पथरीला क़्षुद्रग्रह है। इसे संभावित खतरनाक क़्षुद्रग्रह की श्रेणी में रखा गया है और नकिट-पृथ्वी वस्तु (near-earth object) श्रेणी के अंतर्गत भी रखा गया है। क़्षुद्रग्रहों को कभी-कभी 'छोटे ग्रह' (minor planets) भी कहा जाता है। ये चट्टानी अवशेष हैं, जिनमें लगभग 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व सौरमंडल के आरंभिक निर्माण के दौरान छोड़ दिया गया था। सभी क़्षुद्रग्रहों का कुल द्रव्यमान पृथ्वी के उपग्रह के द्रव्यमान से कम होता है। 150 से अधिक क़्षुद्रग्रहों के दो चन्द्रमा हैं। इसलिये इन्हें 'बाइनरी क़्षुद्रग्रह' भी कहा जाता है। इनमें एक समान आकार के दो चट्टानी पडि एक-दूसरे की परकिरमा करते हैं। इनका वर्गीकरण मुख्य क़्षुद्रग्रह पट्टी (main asteroid belt), ट्रोजनस (trojans) और पृथ्वी के समीप उपस्थिति क़्षुद्रग्रह (near earth asteroids) में किया जाता है।

जलवायु खतरे और भेद्यता एटलस का निर्माण

हाल ही में जलवायु अनुसंधान और सेवाएँ (Climate Research and Services-CRS) के वैज्ञानिकों द्वारा भारत के लिये एक जलवायु खतरे और भेद्यता एटलस (Climate Hazards and Vulnerability Atlas) का निर्माण किया गया है। CRS भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के तहत कार्य करता है। वैज्ञानिकों द्वारा 14 चरम मौसम की घटनाओं के आधार पर इस एटलस का निर्माण किया गया है। उन्होंने स्थानीय आबादी और उनकी अर्थव्यवस्था पर इन 14 मौसम की घटनाओं द्वारा प्रस्तुत किये गए जोखिमों व खतरों पर भी विचार किया। यह गर्मी की लहरों, ठंडी लहरों, अत्यधिक वर्षा, गरज, बजिली और बर्फबारी, चक्रवात, हवाओं तथा कोहरे एवं ओलावृष्टि के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह भेद्यता मूल्य और जोखिम मूल्य प्रदान करता है। इन मूल्यों की गणना मौसम विभाग के ऐतिहासिक जलवायु डेटा का उपयोग करके की गई है। यह नक़शा प्रत्येक ज़िले के लिये सामान्यीकृत भेद्यता सूचकांक प्रदान करता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी। यह भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (Ministry of Earth Science-MoES) की एक एजेंसी है। यह मौसम संबंधी अवलोकन, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान के लिये ज़िम्मेदार प्रमुख एजेंसी है।

ऑपरेशन सर्द हवा

राजस्थान की पाकस्तान से सटी सीमा पर 23 से 28 जनवरी तक बीएसएफ का 'ऑपरेशन सर्द हवा' चलेगा। इसके तहत सीमा पर तारबंदी के आसपास नगिरानी को बढ़ाया जाएगा। सर्दियों (Winter) के दिनों में कोहरे (Fog) और धुंध के कारण सीमा पार से घुसपैठ व कसिी भी तरह की नापाक हरकत से निपटने के लिये सीमा सुरक्षा बल 'हाई अलर्ट' पर आ जाता है। बल अपने नियमिति अभ्यास के तहत गर्मी में 'ऑपरेशन गर्म हवा' और सर्दी में 'ऑपरेशन सर्द हवा' चलाता है। ये अभियान हर वर्ष चलते हैं और इस दौरान सीमा पर कड़ी नगिरानी रखी जाती है। 'ऑपरेशन सर्द हवा' के दौरान सीमा पर बीएसएफ की इंटेल्जेंस वगि भी एक्टिव रहती है और अन्य खुफिया एजेंसियों से भी बीएसएफ का तालमेल रहता है। इस दौरान हर संदिग्ध गतिविधि पर नज़र रखी जाती है। ऑपरेशन सर्द हवा (Operation Sard Hawa) में सीमा से सटी पुलसि चौकियों की विशेष भूमिका रहेगी साथ ही नगिरानी को और बढ़ाया जाएगा।

आईएनएस रणवीर

हाल ही में मुंबई नेवल डाकयार्ड में एक हादसे के दौरान तीन नौसैनिक कर्मियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आईएनएस रणवीर के अंदरूनी हिस्से में एक धमाका हुआ है, जिसमें तीन नौसैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। आईएनएस रणवीर भारतीय नौसेना के लिये बनाए गए पाँच राजपूत श्रेणी के विधिवंसक में से चौथा है। आईएनएस रणवीर को 28 अक्टूबर, 1986 को कमीशन किया गया था। आईएनएस रणवीर नवंबर, 2021 से पूर्वी नौसेना कमान से क्रॉस कोस्ट ऑपरेशनल तैनाती पर था और जल्द ही बेस पोर्ट पर लौटने वाला था। मामले की जाँच के लिये बोरड ऑफ़ इंक्वायरी के आदेश दे दिये गए हैं। आईएनएस रणवीर के साथ आईएनएस मैसूर को 15वें सार्क शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सहि और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिये श्रीलंकाई क़्षेत्रीय जल के बाहर भेजा गया था। 22-26 मई 2015 को आईएनएस रणवीर ने आईएनएस शक्ति के साथ सिगापुर का दौरा किया। 31 मई - 4 जून, 2015 को आईएनएस रणवीर ने आईएनएस शक्ति के साथ इंडोनेशिया के जकार्ता में एक पोर्ट कॉल किया।

